गुरु नाम का मैं नशा चाहती हूँ गुरु भजन लिरिक्स

गुरु नाम का मैं,
नशा चाहती हूँ,
विनय कर रही हूँ,
दया चाहती हूँ,
गुरु नाम का मै।bd।

तर्ज – तेरे प्यार का आसरा।

प्रभू नाम का जाम,
मुझे भी पिला दो,
जो देखा न कभी भी वो,
जलवा दिखावों,
लगी है तलब जो,
उसे तुम बुझा दो,
शरण में तुम्हारी,
जगह चाहती हूँ,
विनय कर रही हूँ,
दया चाहती हूँ,
गुरु नाम का मै।bd।

मिट जाए हस्ति,
छा जाए मस्ती,
बन्दों को अपने,
जो तुमने बख़्शी,
रहमत पे तेरी,
टिकी मेरी कश्ती,
वही तो निगाहें,
करम चाहती हूँ,
विनय कर रही हूँ,
दया चाहती हूँ,
गुरु नाम का मै।bd।

चरणों का 'शिव' को,
दीवाना बनावो,
अपनी शमां का,
परवाना बनालो,
मैं अपने आप को,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

भूलना चाहती हूँ,
विनय कर रही हूँ,
दया चाहती हूँ,
गुरु नाम का मै।bd।

गुरु नाम का मैं,
नशा चाहती हूँ,
विनय कर रही हूँ,
दया चाहती हूँ,
गुरु नाम का मै।bd।

स्वर – साध्वी ममता दीदी।
लेखक / प्रेषक – शिवनारायण वर्मा।
8818932923

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com